स्टुअर्ट शासक और संसद में झगड़ा

प्रश्न — स्टुअर्ट राजा और संसद के बीच झगड़ा के कारणों का वर्णन

इंग्लैंड के इतिहास में स्टुअर्ट शासकों और संसद के बीच संघर्ष का महत्वपूर्ण स्थान है। 17वीं शताब्दी की शुरुआत कुछ ऐसे वैचारिक प्रश्नों के साथ हुआ कि राजा और संसद के बीच संघर्ष का कारण बना। ट्यूडर काल में शक्तिशाली राजतंत्र की व्यवस्था समय की माँग थी। ट्यूडर शासकों ने बड़ी चतुराई से विदेशी आक्रमण एवं आंतरिक कलह का सामना किया था लेकिन स्टुअर्ट काल में समय बदल गया इन शासकों ने बदली हुई परिस्थिति का सही मूल्यांकन नहीं किया और जब बढ़ती हुई शक्ति का प्रयोग करना चाहा तो संसद ने इसका विरोध किया स्टुअर्ट शासक और संसद के बीच जो संघर्ष हुआ इसके कुछ प्रमुख कारण है।

बदली हुई परिस्थिति स्टुअर्ट शासकों और संसद के बीच संघर्ष का कारण माना जाता है। जेम्स I का राज्यारोहण स्पेन आर्मडा की पराजय फ्रांस और इंग्लैंड के बीच संधि के कारण इंग्लैंड सुरक्षित था इंग्लैंड का मध्यम वर्ग एक जागरूक वर्ग था चूंकि संसद और स्थानीय शासन में मध्यम वर्गों की प्रधानता थी जो केंद्रीय शासन में हाथ बटाना चाहते थे वे स्वेच्छाचारी शासन का विरोधी थे कारण लोगों में राजनीतिक जागरूकता आ गई थी अपना अधिकार और कर्तव्य समझ रहे थे इंग्लैंड की जनता और संसद नहीं चाहते थे कि निरंकुश शासन रहे इस कारण बदली हुई परिस्थिति में राजतंत्र को मुश्किल हुआ

सम्प्रभुता का प्रश्न राजा और संसद के बीच संघर्ष का प्रमुख कारण था। राजा अपने को सम्प्रभु मानता था जबकि संसद स्वयं सम्प्रभु मानती थी स्टुअर्ट काल में राजा और संसद सामंजस्य के लिए तैयार नहीं थे ऐसी अवस्था में संघर्ष होना स्वाभाविक था और न इस समस्या का समाधान ढूंढना आसान था चूंकि दोनों अपने पक्ष का समर्थन परम्परा में ढूंढ रहे थे।

(शेष)

राजाओं का व्यक्तिगत चरित्र संसद से झगड़ों का कारण माना जाता है
स्टुअर्ट राजा व्यवहारिक नहीं थे उनकी सबसे बड़ी भूल यह थी कि अपने देश और पार्लियामेंट में प्यूरिटनों की शक्ति और प्रभाव का अन्दाज नहीं लगा सके थे स्टुअर्ट शासक अपने को सबसे अधिक बुद्धिमान समझते थे कभी-कभी वे दोनों बिना सोचे समझे काम करते थे जेम्स I चार्ल्स I दैवी अधिकार के सिद्धान्त में विश्वास करते थे तथा अपने को कानूनी बन्धन से मुक्त मानते थे परन्तु संसद राजा को कानूनी बन्धन में जकड़ देना चाहती थी इस कारण दोनों के बीच समझौता मुश्किल था। स्टुअर्ट शासक राजा के विशेषाधिकार तथा स्वेच्छाचारिता में विश्वास करते थे तथा धर्म और संविधान के मामले में जनता पर थोपना चाहते थे यही अयोग्यता एवं दुर्दर्शिता संघर्ष का कारण बना

आर्थिक समस्या मु

राजा और संसद के बीच संघर्ष का कारण बना चूंकि स्टुअर्ट राजाओं को दरिद्रता विरासत में मिली थी आर्थिक संकट के के कारण प्रशासन चलाना कठिन हो गया था धन के लिए राजाओं को बार बार संसद के पास जाना पड़ता था कि धन स्वीकृति के पहले अपनी मांगों को राजा से मनवाना चाह थी अन्त में क्रुद्ध होकर राजा संसद की बैठक भंग कर देती थी और नाजायज तरीकों से धन वसूली करता था संसद राजा के व्यवहार और गैरकानूनी कामों का आलोचना करती राजा आलोचना सुनने को तैयार नहीं रहता और संघर्ष बढ़ते जाता था।

साथ स्टुअर्ट राजाओं की धार्मिक नीति संघ का कारण बना चूंकि इंगलैण्ड की राजनीति पर धर्म का प्रभाव था राजनीति और धर्म में गहरा सम्बन्ध था जेम्स और चार्ल्स I कैथोलिक थे कैथोलिकों के प्रति उनका झुकाव धर्म के मामले में विवाद नहीं तो राजा नहीं का सिद्धान्त अपनाया था लेकिन संसद राजा के इस निर्देश को मानने के लिए तैयार नहीं था चूंकि प्यूरिटन और प्रेसबिटेरियन धर्म व्यवस्था में सुधार लाना चाहते थे यह धार्मिक म ने धीरे-धीरे संवैधानिक संघर्ष का रूप लिया और झगड़ा का कारण बना

…चार्ल्स प्रथम व दो स्टुअर्ट राजाओं का झगड़ा … हुआ
… विदेश नीति पर धर्म का प्रभाव था स्टुअर्ट राजाओं की विदेश नीति
संसद की नजर में प्रोटेस्टेन्ट के लिए घातक थी जेम्स प्रथम की
वैवाहिक योजना तथा चार्ल्स प्रथम के कैथोलिक धर्म की राजकुमारी से
विवाह संसद में चिन्ता का विषय था इनकी विदेश नीति से संसद
संतुष्ट नहीं थी इसलिए संसद परम्परा को तोड़कर राजा की विदेश नीति
में दखल देना शुरू किया इन सब कारणों से राजा और संसद के
संघर्ष प्रारम्भ हुआ

संसद के विशेषाधिकार भी झगड़ा के कारण बना
कि प्रारम्भ से संसद को कुछ विशेषाधिकार प्राप्त था जैसे भाषण देने
की स्वतंत्रता, कैद न होने की स्वतंत्रता चुनाव सम्बन्धी झगड़ों में
निर्णय देने की स्वतंत्रता संसद इन अधिकारों को जन्मसिद्ध मानती थी
जब कि राजा इन अधिकारों को अपने हाथों में रखना चाहता था
राजा अपने को कानूनी सीमा से परे मानता था जबकि संसद अपने
को सर्वोपरि मानती थी इन सब अधिकारों का स्टुअर्ट राजा स्वयं प्रयोग
करना चाहते और संसद उनके विरुद्ध झगड़ते रहे जो बाद में
[illegible] के तौर पर कहा था

जनक्रान्ति गौरवपूर्ण क्रान्ति: इन दो राजाओं [illegible] का लिए मुख्य रूप से धार्मिक और
राजनीति था संघर्ष का अन्तिम परिणाम स्वरूप स्टुअर्ट वंश के
एक राजा को फांसी और दूसरे को गद्दी छोड़ने के लिए बाध्य
होना पड़ा दैवी अधिकार को त्यागना पड़ा और संसदीय [illegible]
स्वीकार की गई